Web: www.uttaranchaldeep.com
Email-uttaranchaldeep@gmail.com

सूर्यास्त
उत्तराखण्ड में शनिवार
सायं 6:20 बजे

सूर्योदय
उत्तराखण्ड में रविवार
सुबह 6:22 बजे

सांध्य दैनिक
उत्तरांचल दीप
सबके हाथ सच के साथ

हल्द्वानी | वर्ष 18 अंक 235 पृष्ठ 4 मूल्य 1.00 रु. | शनिवार, 14 मार्च 2026

सरकार 4 का किया ऐलान...पेज-3 पर

News कॉर्नर

युवक से मोबाइल छीनकर 42 हजार रुपये की ठगी

हल्द्वानी। बस स्टैंड क्षेत्र में एक युवक से मोबाइल छीनकर उसके खाते से 42 हजार रुपये निकाल लेने का मामला सामने आया है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार ग्राम टीमर बडौन, खनस्यू जिला नैनीताल निवासी हरेंद्र सिंह पुत्र मकौल सिंह 9 मार्च को रोडवेज बस स्टैंड के पास गए थे। इस दौरान गली में उन्हें एक अज्ञात लड़का मिला, जिसने उनसे भूख लगने की बात कहकर खाना खिलाने का अनुरोध किया। हरेंद्र सिंह उसे पास के एक ढाबे पर ले गए और खाना खिलाया। पीड़ित ने ढाबे का भुगतान गूगल पे के माध्यम से किया। आरोप है कि उसी दौरान लड़के ने उनका पासवर्ड देख लिया। कुछ देर बाद आरोपी युवक ने अचानक हरेंद्र सिंह के हाथ से मोबाइल फोन छीन लिया और मौके से फरार हो गया। पीड़ित ने उसका पीछा करने की कोशिश की, लेकिन वह पकड़ में नहीं आया। घटना के बाद पीड़ित के गूगल पे खाते से लगभग 42, हजार रुपये निकाल लिए गए। पीड़ित ने इस संबंध में कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर अज्ञात युवक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

नशा मुक्ति केंद्र से वृद्ध लापता, गुमशुदगी दर्ज

हल्द्वानी। शहर के एक नशा मुक्ति केंद्र से 57 वर्षीय व्यक्ति के अचानक लापता होने का मामला सामने आया है। केंद्र संचालक ने इस संबंध में कोतवाली में तहरीर देकर गुमशुदगी दर्ज करने की मांग की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार नयी पहचान नशा मुक्ति केंद्र के संचालक सचिन वर्मा ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनके केंद्र में राजकुमार वर्मा नामक व्यक्ति दिनांक 10 दिसंबर 2024 को भर्ती हुए थे। उपचार के बाद उनकी हालत में सुधार हो गया था और वह केंद्र में ही छोटे-मोटे कार्यों में सहयोग कर रहे थे। बताया गया है कि दिनांक 08 जनवरी की शाम को राजकुमार वर्मा बिना किसी को बताए अचानक केंद्र से कहीं चले गए। इसके बाद वह वापस नहीं लौटे। काफी खोजबीन के बाद भी उनका कोई पता नहीं चल सका। जब उनके परिजनों से संपर्क किया गया तो पता चला कि वह अपने घर भी नहीं पहुंचे हैं।

असम और बंगाल को पीएम मोदी ने दी विकास की बड़ी सौगात

नई दिल्ली — एजेंसी

प्रधानमंत्री मोदी ने सिलचर में करीब 24 हजार करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि असम की बराक घाटी से दक्षिण पूर्व एशिया का बड़ा बाजार कनेक्ट होगा। इस दौरान पीएम मोदी ने कांग्रेस की पूर्व की सरकारों पर उत्तर पूर्व की अनदेखी करने का भी आरोप लगाया।

असम के सिलचर में पीएम मोदी ने शनिवार को 24 हजार करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास किया। इस दौरान अपने संबोधन में पीएम मोदी ने असम की बराक घाटी की अहमियत पर बात करते हुए कहा, %सिलचर को बराक घाटी का गेटवे कहा जाता है। ये वो जगह है, जिसने भाषा, संस्कृति को मिलाकर एक विशेष पहचान बनाई है। बराक नदी के उपजाऊ मैदानों, यहां के चाय बागानों ने यहां के किसानों, व्यापार मार्गों और शिक्षा संस्थानों को हमेशा प्रेरित किया है। ये क्षेत्र असम ही नहीं, बल्कि पूरे उत्तर पूर्व और पश्चिम बंगाल से जोड़ता है। बराक घाटी के इस क्षेत्र को 21वीं सदी में और मजबूत करने के लिए आपके बीच आया हूं। पीएम मोदी ने शिलॉन्ग-सिलचर कॉरिडोर का भूमि पूजन किया। 166 किलोमीटर लंबे इस कॉरिडोर की लागत करीब 22,860 करोड़ रुपये होगी। इससे असम और मेघालय के बीच कनेक्टिविटी बेहतर होगी। इस कॉरिडोर की मदद से गुवाहाटी से सिलचर के बीच यात्रा का समय साढ़े आठ घंटे से कम होकर सिर्फ पांच घंटे रह जाएगी। पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कहा थोड़ी देर पहले यहां हजारों करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट का शिलान्यास और लोकार्पण हुआ है। रेल, कृषि वन ऐसे हर प्रोजेक्ट से बराक घाटी, उत्तर पूर्व का एक बड़ा लॉजिस्टिक और ट्रेड हब बनने जा रहा है। इससे यहां के नौजवानों के लिए रोजगार के अनगिनत अवसर बनने जा रहे हैं। मैं आप सभी को इन सारी विकास परियोजनाओं के लिए बहुत-बहुत बधाई देता हूं। उन्होंने कहा, आजादी के अनेक दशकों तक कांग्रेस की सरकारों ने उत्तर पूर्व को दिल्ली और दिल, दोनों से दूर रखा। कांग्रेस ने उत्तर पूर्व को एक तरह से भुला दिया। लेकिन भाजपा एनडीए की डबल इंजन सरकार ने उत्तर पूर्व को ऐसे कनेक्ट किया है। आज उत्तर पूर्व, भारत की एक्ट ईस्ट नीति का केंद्र है। लेकिन कांग्रेस ने उत्तर पूर्व को अपने हाल पर छोड़ दिया था।

प्रिंस सुल्तान एयर बेस को बनाया निशाना

ईरान का सऊदी अरब पर ताबड़तोड़ हमला, पांच अमेरिकी विमान क्षतिग्रस्त

नई दिल्ली — एजेंसी

पश्चिम एशिया में भड़की जंग अब और खतरनाक मोड़ लेती दिख रही है। दो हफ्तों से जारी इस संघर्ष के बीच ईरान ने अब सऊदी अरब में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकाने पर जोरदार वार कर दिया। रिपोर्ट के मुताबिक ईरान ने प्रिंस सुल्तान एयर बेस को निशाना बनाते हुए मिसाइल हमला किया, जिससे अमेरिकी वायुसेना के पांच एयर-टैंकर विमान जमीन पर ही क्षतिग्रस्त हो गए।

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष दिन-प्रतिदिन और भयावह होता जा रहा है। अमेरिका और इस्राइल के भीषण हमलों से दहक रहे मोर्चे पर ईरान भी जोरदार पलटवार कर रहा है। मिसाइलों और ड्रोन की गरज के बीच यह संघर्ष अब 15वें दिन में प्रवेश कर चुका है और पूरे क्षेत्र में तनाव चरम पर है। इसी उग्र हालात के बीच सऊदी अरब से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। बताया जा रहा है कि ईरान ने सऊदी अरब में मौजूद अमेरिकी एयरबेस पर ताबड़तोड़ हमला किया, जिसमें अमेरिकी वायुसेना के कई विमान क्षतिग्रस्त हो गए। इसके साथ ही ईरान ने सऊदी के प्रिंस सुल्तान एयर बेस को भी निशाना बनाया और खूब बम बरसाए। इन हमलों में वहां खड़े पांच अमेरिकी वायु सेना के पांच रिफ्यूअलिंग (तेल भरने वाले) विमान क्षतिग्रस्त हो गए। सूत्रों के अनुसार, विमान पूरी तरह नष्ट नहीं हुए हैं और उन्हें मरम्मत के लिए भेजा गया है। हमले में किसी के घायल होने या मौत की सूचना नहीं मिली है।

ईरान ने होर्मुज में रोका भारतीय रक्षत टैंकर, चालक दल फंसा

अमेरिका और इस्राइल के साथ चल रहे संघर्ष के बीच ईरान ने भारतीय जहाज को होर्मुज स्ट्रेट के पास रोक दिया है। इस जहाज में 34 सदस्यीय चालक दल है और यह 36 लाख घरेलू गैस सिलेंडर (एलपीजी) लेकर जा रहा था। जहाज के कप्तान वीरेंद्र विश्वकर्मा और क्रू मेंबर लगातार मदद के लिए गुहार लगा रहे हैं। यह टैंकर कुवैत के मीना अल अहमदी बंदरगाह से गुजरात के दीनदयाल कांडला बंदरगाह के लिए रवाना हुआ था। लेकिन 28 फरवरी से इस समुद्री मार्ग पर लगे प्रतिबंधों के कारण जहाज आगे नहीं बढ़ सका। फिलहाल यह जहाज संयुक्त अरब अमीरात के पास मीना साकर बंदरगाह क्षेत्र में लंगर डाले खड़ा है और आगे बढ़ने की अनुमति का इंतजार कर रहा है।

आज बदलेगा मौसम, कई जिलों में बारिश और तूफान की चेतावनी, यलो अलर्ट जारी

देहरादून — हमारे संवाददाता

मैदान से लेकर पहाड़ तक पारा खूब चढ़ा। आंकड़ों पर नजर डालें तो अधिकतम तापमान सामान्य से पांच डिग्री इजाफे के साथ 32.0 डिग्री रिकॉर्ड किया गया।

उत्तराखंड के पर्वतीय इलाकों में शनिवार को मौसम बिगड़ने के आसार हैं। मौसम विज्ञान केंद्र की ओर से जारी पूर्वानुमान के अनुसार उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर और पिथौरागढ़ जिले के कुछ इलाकों में बिजली चमकने के साथ 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तूफान चलने का येलो अलर्ट जारी किया गया है। हालांकि अन्य जिलों में मौसम शुष्क रहेगा। शुक्रवार को भी मैदान से लेकर पहाड़ तक पारा खूब चढ़ा। आंकड़ों पर नजर डालें तो अधिकतम तापमान सामान्य से पांच डिग्री इजाफे के साथ 32.0 डिग्री रिकॉर्ड किया गया।

जबकि रात का न्यूनतम तापमान सामान्य से चार डिग्री बढ़ोतरी के साथ 16.7 डिग्री दर्ज किया गया। पर्वतीय क्षेत्र मुक्तेश्वर का अधिकतम तापमान भी सामान्य से छह डिग्री अधिक के साथ 23.1 डिग्री रहा और न्यूनतम तापमान सामान्य से चार डिग्री बढ़ोतरी के साथ 9.3 डिग्री दर्ज किया गया। ऐसा ही हाल प्रदेश के अन्य इलाकों का भी रहा। आने वाले दिनों की बात करें तो 19 मार्च तक प्रदेश के ऊंचाई वाले इलाकों में हल्की बारिश व बर्फबारी का अनुमान लगाया है।

युवक को थप्पड़ मारने का आरोप, जान से मारने की धमकी देने की शिकायत

हल्द्वानी — हमारे संवाददाता

कोतवाली परिसर में एक युवक के साथ मारपीट और धमकी देने का मामला प्रकाश में आया है। इस संबंध में पीड़ित ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को तहरीर देकर न्याय की गुहार लगाई है। मुखानी, निवासी दिगम्बर सिंह मेहरा ने अपनी शिकायत में बताया कि 12 मार्च को उन्हें भवन के बिल और अन्य कार्रवाई के संबंध में कोतवाली बुलाया गया था। इसी दौरान राकेश बिष्ट नामक व्यक्ति ने कोतवाली परिसर में एसएसआई भूपेन्द्र सिंह मेहता के सामने उनके मुंह पर जोरदार थप्पड़ मार दिया। पीड़ित का आरोप है कि इसके बाद से राकेश बिष्ट उन्हें जान से मारने की धमकी भी दे रहा है। दिगम्बर सिंह मेहरा ने यह भी आरोप लगाया कि राकेश बिष्ट की पत्नी, जो कि सीबीसीआईडी में तैनात बताई जा रही हैं, ने भी उन्हें झूठे केस में फंसाने की धमकी दी है। पीड़ित के अनुसार जब भी वह अपनी बकाया रकम की मांग करते हैं, तो उन्हें यह कहकर टाल दिया जाता है कि उनकी वजह से प्राधिकरण द्वारा चालान हुआ है और अब उन्हें कोई पैसा नहीं दिया जाएगा। पीड़ित ने बताया कि वह आर्थिक तंगी से गुजर रहे हैं और मामले में न्याय की मांग की है। उन्होंने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर उचित कार्रवाई करने की मांग की है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

घर का ताला तोड़कर हुई चोरी का खुलासा, आरोपी गिरफ्तार

हल्द्वानी — हमारे संवाददाता

चोरी की घटनाओं के खुलासे के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना मुखानी पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. मंजुनाथ टीसी के निर्देशन में की गई कार्रवाई के दौरान पुलिस ने घर में चोरी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और उसके कब्जे से चोरी का सामान बरामद किया है। जानकारी के अनुसार 12 मार्च को वादी हेमचंद्र लोहनी पुत्र भुवन चंद्र निवासी आदर्श कॉलोनी गौड़धड़ा बिठोरिया नंबर-1, थाना मुखानी, जनपद नैनीताल ने थाना मुखानी में तहरीर दी। उन्होंने बताया कि वह 2 मार्च से 5 मार्च तक अपने पैतृक गांव थापला ताकुला, जिला अल्मोड़ा गए हुए थे। 5 मार्च को घर लौटने पर उन्होंने देखा कि अज्ञात चोर ने उनके घर का ताला तोड़कर घर में रखे सोने के जेवरात और नगदी चोरी कर ली है। घटना की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने एसपी मनोज कत्याल को शीघ्र खुलासे के लिए विशेष टीम गठित करने के निर्देश दिए। इसके बाद क्षेत्राधिकारी रामनगर सुमित पांडेय के पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष मुखानी सुशील जोशी के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम ने घटनास्थल के आसपास लगे करीब 100 से 150 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज का गहन निरीक्षण किया। साथ ही मैनुअल इंटेलिजेंस और अन्य माध्यमों से संदिग्ध की पहचान की गई। 13 मार्च को पुलिस टीम को हल्दीखाल जाने वाले रास्ते पर एक संदिग्ध व्यक्ति दिखाई दिया। पुलिस ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम गौरव कुमार पुत्र संतोष कुमार निवासी चौपला चौराहा दमुवादुंगा, जवाहर ज्योति काठगोदाम, जिला नैनीताल बताया। उसके पास मौजूद बैग की तलाशी लेने पर चोरी किए गए पीली धातु के आभूषण और नगदी बरामद हुई, जिसके बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने आरोपी के पास से एक मटरनुमा मंगलसूत्र, एक पाइपनुमा मंगलसूत्र, दो पौंची, एक नथ व बैंग टीका, दो कान के झुमके (सभी पीली धातु के), 2250 रुपये नगद तथा एक सैमसंग एंड्रॉयड मोबाइल फोन बरामद किया है। चोरी की घटना के सफल अनावरण में कांस्टेबल बलवंत सिंह और कांस्टेबल रोहित कुमार की महत्वपूर्ण भूमिका रही, जिन्होंने आसपास के करीब 100 से 150 सीसीटीवी कैमरों की जांच कर संदिग्ध की पहचान करने में अहम योगदान दिया। घटना के सफल खुलासे पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नैनीताल ने पुलिस टीम के उत्साहवर्धन के लिए 2000 रुपये नगद इनाम देने की घोषणा की है। थानाध्यक्ष सुशील जोशी, उप निरीक्षक वीरेंद्र चंद्र, कांस्टेबल रोहित कुमार, कांस्टेबल बलवंत सिंह, कांस्टेबल धीरज सुगड़ा, कांस्टेबल रविंद्र खाती तथा कांस्टेबल अरविंद (एसओजी तकनीकी सहायता व सर्विलांस।

गैस की ऑनलाइन बुकिंग ठप होने से गैस कार्यालय में उमड़ी भीड़

नैनीताल

हमारे संवाददाता

सरोवर नगरी नैनीताल में रसोई गैस की ऑनलाइन बुकिंग व्यवस्था बाधित होने के कारण उपभोक्ताओं को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ऑनलाइन बुकिंग नहीं होने के चलते बड़ी संखया में लोग गैस बुकिंग कराने के लिए गैस कार्यालय पहुंच रहे हैं जिससे वहां लोगों का जमावड़ा लग गया।

बता दें शुक्रवार को पर्वत गैस एजेंसी कार्यालय में सुबह से ही उपभोक्ताओं की भीड़ देखने को मिली। गैस सिलेंडर की बुकिंग के लिए लोग लंबी कतार में खड़े नजर आए। कई उपभोक्ताओं का कहना था कि मोबाइल से गैस बुकिंग नहीं हो पा रही है जिसके कारण उन्हें कार्यालय आकर बुकिंग करानी पड़ रही है। मामले में पर्वत गैस एजेंसी की मैनेजर अंकिता पांडे ने बताया कि तकनीकी कारणों से मोबाइल के माध्यम से गैस बुकिंग नहीं हो पा रही है, ऐसे में उपभोक्ताओं की सुविधा को देखते हुए एजेंसी की ओर से मैनुअल बुकिंग की व्यवस्था की गई है ताकि किसी को गैस सिलेंडर लेने में परेशानी न हो।

कहा जैसे ही ऑनलाइन बुकिंग की समस्या ठीक हो जाएगीए उपभोक्ता पहले की तरह मोबाइल के माध्यम से भी गैस बुकिंग कर सकेंगे, फिलहाल उपभोक्ताओं से धैर्य बनाए रखने की अपील की गई है।

गैस सिलेंडरों हेतु लगी लोगों की कतार

नैनीताल में गैस सिलेंडरों की ऑफ लाइन बुकिंग शुरू होने के बाद कई स्थानों पर लोगों की लंबी कतारें देखने को मिलीं। अफवाहों के चलते बड़ी संखया में लोग गैस लेने के लिए एजेंसियों के बाहर पहुंच गए जिससे व्यवस्था पर दबाव बढ़ गया प्रशासन की ओर से स्पष्ट किया गया है कि गैस की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है और किसी प्रकार की कमी नहीं है। इसके बावजूद कुछ भ्रामक सूचनाओं के कारण लोग बेवजह जल्दबाजी में गैस लेने पहुंच रहे हैं।

गैस किल्लत की अफवाहों पर ध्यान न दें लोग:डीएम

नैनीताल । मामले में डीएम ललित मोहन रयाल ने कहा कि प्रशासन की ओर से गैस वितरण की समुचित व्यवस्थाएं बनाई गई हैं और आपूर्ति सुचारु रूप से की जा रही है। उन्होंने कहा कि कई अफवाहों के चलते लोग अनावश्यक रूप से लाइन में लग रहे हैं जिससे लंबी कतारें लग रही हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न दें और जरूरत के अनुसार ही गैस लें।

भवाली में महिला कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

नैनीताल । नैनीताल जिले के भवाली में शुक्रवार को जिला महिला कांग्रेस कमेटी की जिलाध्यक्ष खष्टी बिष्ट के नेतृत्व में कांग्रेस पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। इस दौरान बिष्ट ने कहा कि वर्तमान में गैस के लिए मारामारी हो रही है जबकि देश के पीएम नरेंद्र मोदी कर रहे हैं कि गैस की कोई कमी नहीं है,कहा कि एकदम से घरेलू गैस के दाम 60 रुपएं तथा कामर्शियल गैस के दाम 150 रुपएं बढ़ाने से लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष आसमा परवीन समेत शोभा आर्य, गीता बिष्ट, स्नेहा, तुलसी, प्राची, रिया, ममता आर्या, हर्षित व भाष्कर आदि कांग्रेसी मौजूद रहे।

गोदाम से सिलेंडर वितरण पर एआरओ बिष्ट ने लगाई फटकार

नैनीताल

हमारे संवाददाता

गैस सिलिंडर की कमी को लेकर फैल रही अफ वाहों के बीच जिले के क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी सुरेंद्र सिंह बिष्ट ने शुक्रवार को इंडेन गैस के गोदाम में छापेमारी की। इस दौरान गोदाम से सीधे लोगों को सिलिंडर देने पर उन्होंने कर्मचारियों को फटकार लगाई।

बिष्ट ने कर्मचारियों को निर्देश दिए कि सिलेडरों का वितरण एजेंसी के माध्यम से क्षेत्र में ही किया जाए ताकि गोदाम पर भीड़ न लगे और व्यवस्था बनी रहे। उन्होंने

गोदाम में रखे सिलिंडरों का निरीक्षण भी किया और बताया कि गैस सिलिंडरों की कोई कमी नहीं है। लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और संयम बनाए रखने की अपील की गई है।उन्होंने बताया कि इंडेन गैस के नैनीताल व आसपास के क्षेत्रों में करीब 1.70 लाख घरेलू गैस कनेशन हैं जबकि एचपी गैस के लगभग चार हजार कनेशन हैं। जानकारी के अभाव में लोग बेवजह सिलिंडर भरवाने के लिए इधर उधर भटक रहे हैं। दूसरी ओर पर्वतीय गैस एजेंसी की मैनेजर अंकिता पांडे ने बताया कि शुक्रवार को 800 से अधिक लोगों ने मैनुअल और ऑनलाइन बुकिंग कराई है। स्कूलों की मांग के अनुसार उन्हें प्राथमिकता से सिलिंडर मुहैया कराए जा रहे हैं। उन्होंने लोगों से घबराने के बजाय सामान्य प्रक्रिया से गैस बुक कराने की अपील की।

एआरओ बिष्ट ने कई गैस एजेन्सी व गोदामों का किया निरीक्षण

नैनीताल

हमारे संवाददाता

नैनीताल जिले के क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी सुरेन्द्र सिंह बिष्ट ने शुक्रवार को नैनीताल समेत भवाली के साथ ही कई स्थानों पर स्थापित गैस एजेन्सी तथा गोदामों का निरीक्षण किया।

बिष्ट के मुताबिक नैनीताल में पर्वत गैस एजेन्सी द्वारा गोदाम नारायणनगर से तल्लीताल, मल्लीताल, राजभवन के समीप, धर्मशाला, नारायणनगर तथा थापला आदि स्थानों में गैस उपभोकताओं को कुल 359 घरेलू सिलेंडर और नैनीताल के विद्यालयों को कुल 37 व्यवसायिक सिलेंडर वितरित करवाए गए । बिष्ट ने कहा कि भवाली गैस

सर्विस भवाली के गोदाम से भवाली बाजार, काकड़ीघाट समेत नवोदय विद्यालय हेतु कुल 248 घरेलू सिलेंडर और अस्पताल और उजाला में 7 व्यवसायिक का वितरण किया गया। इसी प्रकार भीमताल गैस सर्विस के गोदाम से बिरला इंस्टिट्यूट, ग्राफि क एरा, सहित कई विद्यालयों को कुल 58 व्यवसायिक सिलेंडर और भीमताल तल्लीताल, नौकुचियाताल आदि कई क्षेत्रों में कुल 265 घरेलू सिलेंडर का वितरण किया गया । बिष्ट ने कहा कि गैस वितरण व्यवस्था पर पूरी निगरानी रखी जा रही है । घरेलू सिलेंडर का स्टॉक वितरण हेतु विभिन्न गैस गोदामों में पर्याप्त है और विभाग द्वारा दैनिक रूप से इसकी समीक्षा की जा रही है । कहा कि गैस की कालाबाजारी, अवैध भंडारण व रिफीलिंग को रोकने के लिये विभाग द्वारा निरन्तर प्रवर्तन कार्य किए जा रहे हैं। यदि कोई भी यक्ति/संस्था/व्यापारी द्वारा गैस की कालाबाजारी, अवैध भंडारण व रिफीलिंग करते हुए पाया जाता है तो संबंधित के विरूद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की सुसंगत धाराओं में प्रविधानांतर्गत नियमानुसार कठोर कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

अस्पॉट डिलीवरी ठप, गैस गोदाम पहुंचे लोग

अल्मोड़ा। जिले में घरेलू गैस सिलिंडरों की स्पॉट डिलीवरी बंद कर दी गई है। स्पॉट पर लोग गैस के वाहन आने का इंतजार करते रहे लेकिन वाहन नहीं पहुंचा। बाद में लोगों ने गैस गोदाम जाकर वहां से सिलिंडर रिफिल कराए। वहीं गैस कार्यालयों में मैनुअल पर्ची काटने के लिए लोगों की भारी भीड़ रही। लोगों को घंटों इंतजार करना पड़ा।

जिले में 174621 घरेलू गैस उपभोक्ता हैं। शुक्रवार को जिले में कई गैस वितरण प्वॉइंट पर गैस वितरित होनी थी लेकिन स्पॉट डिलीवरी नहीं हुई। लोग गैस वितरण स्थलों पर सिलिंडर रिफिल कराने पहुंचे थे लेकिन वाहन नहीं आने के कारण उन्हें बैरंग लौटना पड़ा। इंडेन गैस सर्विस के अधिकारियों के मुताबिक घरेलू गैस की स्पॉट डिलीवरी तीन चार दिन के लिए बंद कर दी है।

उपभोक्ता स्थानीय गैस गोदामों से सिलिंडर रिफिल करा सकते हैं। इधर, सर्वर डाउन होने से ऑनलाइन बुकिंग नहीं हो सकी। परेशान लोग गैस एजेंसी कार्यालय पहुंचे तो वहां मैनुअल पर्ची कटाने के लिए घंटों कतार में लगकर इंतजार करना पड़ा। इससे लोगों को परेशानी झेलनी पड़ी।

नोट

समाचार पत्र में छपे लेख, पत्र व अन्य कालमों में लेखकों के विचार होते हैं, उनसे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।
–संपादक

पूर्व प्रधान संपादक:
स्व. वेदप्रकाश गुप्ता
स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक
श्रीमती आदेश अग्रवाल द्वारा
उत्तरांचल दीप प्रेस
चंद्रकाता हाउस, नैनीताल रोड
हल्द्वानी से मुद्रित एवं प्रकाशित
संपादक- श्रीमती आदेश अग्रवाल
प्रबंध संपादक- साकेत अग्रवाल
दूरभाष : 05946-224556
फैक्स:05946-283801
e-mail: Uttaranchaldeep@gmail.com
www.dainikuttaranchaldeep.com
आरएनआई नं. UTTHIN/ 2009/ 32558
समस्त विवाद हल्द्वानी
न्यायालय के अधीन होंगे।
संस्थापक: स्व. मुन्ना बाबू राजपूत

गोदामों में लग रही भीड़ पर जिलाधिकारी सख्त, होम डिलीवरी सुनिश्चित करने के निर्देश

हल्द्वानी

हमारे संवाददाता

जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल ने गैस गोदामों में उपभोक्ताओं द्वारा सिलेंडर लेकर लगाई जा रही लंबी कतारों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी किए हैं।

उन्होंने कहा है कि उपभोकाओं को गैस की होम डिलीवरी सुनिश्चित की जाए, ताकि लोगों को गोदामों तक आकर लाइन लगाने की जरूरत न पड़े। जिलाधिकारी ने महाप्रबंधक कुमाऊं मंडल विकास निगम सहित जिले की सभी गैस एजेंसियों और पूर्ति विभाग के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि घरेलू गैस की पर्याप्त उपलब्धता के बावजूद भी कुछ स्थानों पर लोग सिलेंडर लेकर गैस गोदामों में लाइन लगा रहे हैं, जो अनावश्यक है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि उपभोक्ता अपनी नजदीकी गैस एजेंसी

में गैस बुकिंग कराएं और उसके बाद गैस की होम डिलीवरी सुनिश्चित की जाए, ताकि वितरण व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित हो सके। जिलाधिकारी ने जनपदवासियों से अपील करते हुए कहा कि पूर्व की भांति गैस की रूटीन होम डिलीवरी जारी रहेगी, इसलिए अनावश्यक रूप से पैनिक होकर गैस गोदाम तक आने की जरूरत नहीं है। उन्होंने अधीनस्थ अधिकारियों को गैस वितरण व्यवस्था की लगातार मॉनिटरिंग करने के निर्देश भी दिए हैं। साथ ही गैस की कालाबाजारी पर सख्ती से रोक लगाने और व्यवस्था को पारदर्शी बनाए रखने के लिए आवश्यक कार्रवाई करने को कहा है।

कुमाऊं के सबसे बड़े अस्पताल में गैस संकट छात्रों के लिए लकड़ी पर बन रहा खाना

हल्द्वानी

हमारे संवाददाता

कुमाऊं के सबसे बड़े अस्पताल सुशीला तिवारी अस्पताल और राजकीय मेडिकल कॉलेज में व्यावसायिक गैस सिलेंडरों की आपूर्ति ठप होने से हड़कंप मच गया है। गैस खत्म होने के कारण अस्पताल की सार्वजनिक कैंटीन बंद करनी पड़ी है, जिससे मरीजों के तीमारदारों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। हालात इतने बिगड़ गए हैं कि मेडिकल कॉलेज की मेस में अब लकड़ी जलाकर छात्रों के लिए भोजन तैयार किया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार, सुशीला तिवारी अस्पताल में प्रतिदिन करीब 500 मरीजों के लिए नाश्ता और भोजन तैयार किया जाता है। मेस संचालक देवकी नंदन ने बताया कि अस्पताल में हर महीने करीब 90 व्यावसायिक गैस सिलेंडरों की

आवश्यकता होती है, लेकिन फिलहाल पूरा स्टॉक खत्म हो चुका है। इसी तरह मेडिकल कॉलेज की पांचों मेस में भी गैस संकट गहराया हुआ है, जहां 500 से अधिक छात्र-छात्राएं भोजन करते हैं। मेस मैनेजर के मुताबिक गैस की आपूर्ति बंद होने के कारण मजबूरी में करीब चार क्विंटल लकड़ी खरीदकर चूल्हा जलाकर खाना बनाया जा रहा है। संकट केवल एसटीएच तक सीमित नहीं है। हल्द्वानी के महिला अस्पताल और बेस अस्पताल में भी गैस खत्म होने की स्थिति बन गई है। महिला अस्पताल की सीएमएस डॉ. ऊषा जंगपांगी और बेस अस्पताल के पीएमएस डॉ. केएस दताल ने बताया कि उनके अस्पतालों में भी गैस का स्टॉक खत्म होने की कगार पर है। ऐसे में भर्ती सैकड़ों मरीजों के लिए समय पर भोजन उपलब्ध कराना प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती बन गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. जीएस तितियाल ने जिलाधिकारी और खाद्य आपूर्ति विभाग को पत्र भेजकर तत्काल गैस आपूर्ति कराने की मांग की है। सिटी मजिस्ट्रेट को भी फोन पर पूरे मामले की जानकारी दी गई है। प्राचार्य ने छात्रों से भी इस संकट के समय सहयोग की अपील की है। फिलहाल कुमाऊं मंडल विकास निगम (केएमवीएन) से कुकिंग गैस की तत्काल आपूर्ति के लिए अनुरोध किया गया है, ताकि मरीजों और छात्रों को किसी प्रकार की दिक्कत का सामना न करना पड़े।

अभिमत

पहल की जरूरत

देवभूमि में सोशल मीडिया के माध्यम से लगातार अपराध बढ़ रहे हैं। कर्नाटक में मुख्यमंत्री ने विधानसभा में कहा कि बच्चों पर मोबाइल का इस्तेमाल करने से होने वाले दुष्प्रभाव को रोकने के लिए प्रतिबंध लागू किया जाएगा। इसी के साथ स्कूलों, कालेजों और विश्वविद्यालयों में ड्रग्स का इस्तेमाल रोकने के लिए सख्त कदम उठाने का निर्देश दिया है। उत्तराखंड में पुलिस द्वारा स्मैक, चरस, शराब पकड़े जाने वाली खबरों की मीडिया में भरमार है। यदि राज्य सरकार सोशल मीडिया और नशे पर सख्त कदम उठाने का बीड़ा उठा ले तो कोई कारण नहीं कि कानून व्यवस्था में सुधार नहीं हो।

सूचना प्रौद्योगिकी के बिना आधुनिक युग में दैनिक जीवन की गतिविधियों की कल्पना संभव नहीं है। दुनिया में भारत सबसे बड़ा स्मार्टफोन का बाजार है। देश में इंटरनेट के करीब एक अरब उपयोगकर्ता हैं। फेसबुक, इंस्टाग्राम और व्हाट्सऐप का उपयोग करने वाले विश्व में सबसे अधिक भारत में हैं। सोशल मीडिया का दुष्प्रभाव तेज गति से बढ़ रहा है। दुनिया के कई देशों ने नाबालिग के सोशल मीडिया इस्तेमाल करने पर प्रतिबंध लगा दिया है। भारत में केन्द्र सरकार ने कोई कदम नहीं उठाया है। आंध्र प्रदेश और कर्नाटक की प्रदेश सरकारों ने पहल करते हुए नाबालिगों के सोशल मीडिया के इस्तेमाल पर प्रतिबंध की घोषणा की है। उत्तराखंड सरकार को यह पहल करने की जरूरत है। राज्य सरकार ने लिव इन रिलेशन पर बहुत पहले निर्णय करके वाहवाही लूटने का प्रयास किया, जबकि समाजशास्त्रियों ने इसकी आलोचना की थी। देवभूमि में सोशल मीडिया के माध्यम से लगातार अपराध बढ़ रहे हैं। कर्नाटक में मुख्यमंत्री ने विधानसभा में कहा कि बच्चों पर मोबाइल का इस्तेमाल करने से होने वाले दुष्प्रभाव को रोकने के लिए प्रतिबंध लागू किया जाएगा। इसी के साथ स्कूलों, कालेजों और विश्वविद्यालयों में ड्रग्स का इस्तेमाल रोकने के लिए सख्त कदम उठाने का निर्देश दिया है। उत्तराखंड में पुलिस द्वारा स्मैक, चरस, शराब पकड़े जाने वाली खबरों की मीडिया में भरमार है। यदि राज्य सरकार सोशल मीडिया और नशे पर सख्त कदम उठाने का बीड़ा उठा ले तो कोई कारण नहीं कि कानून व्यवस्था में सुधार नहीं हो। कर्नाटक सरकार से देश के अन्य राज्यों को सीख लेनी चाहिए। कर्नाटक ने आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) के प्रति भी सतर्कता बरतना शुरू कर दिया है। शिक्षा में एआई तकनीक के इस्तेमाल को लेकर आईआईटी की मदद से सेल्फ लर्निंग डिजिटल ट्यूटर सुविधा शुरू करने पर विचार किया जा रहा है। दरअसल वैश्विक महामारी कोरोना के प्रकोप के दौरान लॉकडाउन लागू किया गया और बच्चों को ऑनलाइन शिक्षा दी गई। ऑनलाइन पढ़ाई के लिए लैपटॉप और मोबाइल फोन बच्चों को देना अनिवार्य हो गया। स्कूल खुलने पर मोबाइल की कोई जरूरत नहीं है, लेकिन बच्चों को मोबाइल की लत लग गई। मोबाइल के दुरुपयोग से बच्चों का भविष्य अंधकारमय हो रहा है। युवाओं को मोबाइल के इस्तेमाल से रोकना कठिन है। जब तक सरकार प्रतिबंध नहीं लगाती है, तब तक बच्चों के अभिभावकों को जागरुक होना पड़ेगा और बिना कानूनी बाध्यता के बच्चों को मोबाइल के इस्तेमाल से माता-पिता रोक सकते हैं।

कुमाऊंनी बोली के मॉड्यूल निर्माण विषय पर कार्यशाला

नैनीताल

हमारे संवाददाता

नैनीताल जनपद के भीमताल स्थित जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) में प्राथमिक कक्षाओं के लिए कुमाऊंनी भाषा के मॉड्यूल निर्माण विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला के समापन अवसर पर प्रदेश में होने वाली सरकारी नौकरियों में स्थानीय लोकभाषाओं के ज्ञान को पात्रता के रूप में शामिल करने की मांग उठाई गई। कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ उत्तराखंड की समस्त लोक भाषाओं की एकमात्र समन्वित पत्रिका कुमगढ़ के प्रबंध संपादक डॉ. नवीन चंद्र जोशी ने कहा कि प्रदेश की सरकारी भर्तियों में स्थानीय भाषाओं का ज्ञान अनिवार्य या वांछनीय पात्रता के रूप में शामिल किया जाना चाहिए इससे स्थानीय युवाओं को रोजगार में अधिक अवसर मिलेंगे और बाहरी अभयर्थी भी इन भाषाओं को सीखने के लिए प्रेरित होंगे। उन्होंने आगामी जनगणना में उत्तराखंड की प्रमुख लोकभाषाओं, कुमाऊंनी, गढ़वाली, जौनसारी, रंवाल्टी और रं आदि को मातृभाषा के रूप में दर्ज करने की आवश्यकता भी बताई। उनका कहना था कि यदि इन भाषाओं को बोलने वालों की वास्तविक संखया सरकारी अभिलेखों में दर्ज होगी तो इनके संरक्षण और संवर्धन के लिए ठोस नीतिगत पहल संभव हो सकेगी साथ ही इससे इन भाषाओं को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल कराने के लिए राज्य का दावा भी मजबूत होगा।

कार्यशाला के समन्वयक डॉ. हेम चंद्र तिवारी ने समापन अवसर पर कार्यशाला में किए गए कार्यों की रिपोर्ट प्रस्तुत की। वरिष्ठ प्रवक्ता डॉ. राजेश कुमार जोशी ने विषय की उपयोगिता को देखते हुए पांच दिन की एक और कार्यशाला आयोजित करने का सुझाव दियाए जिस पर संस्थान के प्राचार्य सुरेश चंद्र आर्य ने सहमति व्यक्त की। प्राचार्य आर्य ने कहा कि राष्टीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप स्थानीय भाषा कुमाउनी के महत्व को बढ़ावा देना, शिक्षकों और विद्यार्थियों के बीच संवाद को सशक्त करना तथा अभिव्यक्ति कौशल का विकास करना इस कार्यशाला का मुखय उद्देश्य है।

कार्यशाला में कुमाऊंनी मासिक पत्रिका पहरू के संपादक नीरज पंत और पारंपरिक लोक संस्था परंपरा के निदेशक बृजमोहन जोशी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। विषय विशेषज्ञ के रूप में भावना पांडे, बसंती लोहनी, नमिता भट्ट, भगवान बोरा, देवेंद्र सिंह, उमेश जोशी, हेम चंद्र शर्मा और महेश चंद्र ने सहभागिता की। इसके अतिरिक्त वरिष्ठ प्रवक्ता ललित प्रसाद तिवारी, प्रवक्ता डॉ. विमल किशोर, डॉ. सुमित पांडे, डॉ. आरती जैन, रेखा तिवारी, डॉ. संजय गुरूरानी, तनुजा उप्रेती, मनोज चौधरी, डॉ. शैलेंद्र धपोला, डॉ. प्रेम सिंह मावड़ी, सुभाष जोशी, नीरज नेगी, प्रयाग सिंह फ र्स्वाण, भगवत सिंह, दीपक बोहरा, दलीप सिंह, भुवन जोशी तथा मीना देवी और पिंकी सहित अन्य शिक्षकों ने भी सहयोग किया। कार्यशाला के समापन अवसर पर प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भी प्रदान किए गए।

हाईकोर्ट ने दी राज्य सरकार को 6 हफ्ते की मोहलत

नैनीताल। हाईकोर्ट ने कुमाऊं विश्वविद्यालय नैनीताल के पूर्व रजिस्ट्रार सुधीर बूढाकोटी के पुरानी पेंशन योजना के मामले में सुनवाई करते हुए राज्य सरकार से 6 सप्ताह में जवाब मांगा है।

बता दें सुधीर बूढाकोटी की ओर से एक याचिका दायर कर इस मामले को चुनौती दी गयी है। मामले की सुनवाई मुखय न्यायाधीश मनोज कुमार गुप्ता और न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की खंडपीठ में हुई।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र अंकित गुप्ता एवं पुत्रवधू कंचन गुप्ता उर्फ नेहा गुप्ता मुखानी, हल्द्वानी को उनके गलत आचरण के चलते अपनी चल-अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है, जिनका भविष्य में मुझसे व मेरी संपत्ति से कोई लेन-देन नहीं रहेगा। - **विपिन कुमार गुप्ता, निवासी वार्ड नं0-9 निशान्त विहार, मुखानी, तल्ली बमोरी, हल्द्वानी (नैनीताल)**

ब्लॉगर विवाद ने पकड़ा तूलः ज्योति अधिकारी समेत 11 पर केस, दुकान में तोड़फोड़ और मारपीट का आरोप

हल्द्वानी

हमारे संवाददाता

शहर की चर्चित ब्लॉगर ज्योति अधिकारी एक बार फिर कानूनी शिकंजे में फंस गई हैं। काठगोदाम कोतवाली पुलिस ने ज्योति अधिकारी, उनके पति गोपाल अधिकारी और मुंहबोले भाई कमल जोशी समेत कुल 11 लोगों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। ज्योति पर आरोप है कि उन्होंने नैनीताल रोड स्थित एक दुकान में तोड़फोड़ करने के साथ ही दंगा भड़काने की साजिश भी रची। मामले के अनुसार, जोशी कॉलोनी निवासी ब्लॉगर सुनीता भट्ट ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि बुधवार शाम वह अपनी दुकान शीशमहल पर मौजूद थीं। आरोप है कि इसी दौरान ज्योति अधिकारी अपने साथियों के साथ दुकान पर पहुंचीं और वहां विवाद शुरू हो गया। सुनीता भट्ट का कहना है कि आरोपियों ने उनके साथ मारपीट की, दुकान में तोड़फोड़ की और उन्हें जान से मारने की धमकी दी। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि उनकी सात साल की बेटी को उठाने की धमकी तक दी गई। काठगोदाम थाना प्रभारी विमल मिश्रा ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए ज्योति अधिकारी और उनके साथियों के खिलाफ धारा 115(2), 191(2), 324(4) और 351(2) के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार, सभी नामजद आरोपियों को जल्द कोतवाली बुलाकर उनके बयान दर्ज किए जाएंगे। पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक यह पिछले तीन महीनों के भीतर ज्योति अधिकारी के खिलाफ दर्ज होने वाला आठवां मुकदमा है। इससे पहले भी उन पर पहाड़ की महिलाओं के खिलाफ अभद्र टिप्पणी करने और देवी-देवताओं पर आपत्तिजनक बयान देने के आरोप में कुमाऊं के कई थानों में मामले दर्ज हो चुके हैं। इन मामलों में वह सात दिन तक हल्द्वानी जेल में भी रह चुकी हैं। कोतवाली से रिहा होने के बाद उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसमें वह बेखौफ अंदाज में बाहर आती नजर आ रही हैं। पुलिस अब इस पूरे प्रकरण की गहराई से जांच कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि घटना के पीछे कोई पुरानी रंजिश या सोशल मीडिया की आपसी खींचतान तो कारण नहीं है। स्थानीय लोगों में सोशल मीडिया ब्लॉगर्स के बीच बढ़ते इस तरह के टकराव को लेकर आक्रोश देखने को मिल रहा है। पुलिस प्रशासन ने भी चेतावनी दी है कि सोशल मीडिया की आड़ में गुंडागर्दी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

फिल्मी दुनिया

राम गोपाल वर्मा ने 'सरकार 4' का किया ऐलान

पॉपुलर पॉलिटिकल-क्राइम फिल्म सीरीज 'सरकार' के तीन पार्ट आ चुके हैं, जिसमें अमिताभ बच्चन, अभिषेक बच्चन, ऐश्वर्या राय बच्चन और मनोज बाजपेयी जैसे कलाकार नजर आ चुके हैं। अब फिल्ममेकर राम गोपाल वर्मा ने इस फिल्म को लेकर बड़ा ऐलान किया है।

फिल्ममेकर राम गोपाल वर्मा ने अपनी पॉपुलर पॉलिटिकल-क्राइम फिल्म सीरीज 'सरकार' की अगली फिल्म 'सरकार 4' का ऐलान कर दिया है। निर्देशक ने बताया कि इस फिल्म की शूटिंग अगले महीने से शुरू होने वाली है। उन्होंने कहा, 'मैं 'सरकार 4' बना रहा हूं। इसकी शूटिंग मैं अगले महीने से शुरू करने वाला हूं।' उन्होंने अपने एक और प्रोजेक्ट 'द सिंडिकेट' के बारे में भी बात की। इस पर मजाक करते हुए राम गोपाल वर्मा ने कहा कि यह फिल्म मेरे सारे पाप धो देगी। राम गोपाल वर्मा ने यह जानकारी रेड लॉरी फिल्म फेस्टिवल के उद्घाटन के दौरान दी।

'सरकार' फ्रेंचाइजी के बारे में

'सरकार' सीरीज की शुरुआत साल 2005 में हुई थी, जिसमें अमिताभ बच्चन ने सुभाष नागरे का दमदार किरदार निभाया था। फिल्म में उनके साथ अभिषेक बच्चन भी नजर आए थे, जिन्होंने इस फिल्म में अमिताभ के बेटे 'शंकर' के किरदार निभाया था। इसके बाद इस फ्रेंचाइजी की दूसरी फिल्म 'सरकार राज' 2008 में रिलीज हुई, जिसमें ऐश्वर्या राय बच्चन भी अहम भूमिका में थीं। फिर 2017 में 'सरकार 3' आई, जिसमें अमिताभ और अभिषेक के अलावा यामी गौतम, मनोज बाजपेयी और अमित साध जैसे कलाकार दिखाई दिए थे।

सोशल मीडिया विवाद का व्यापार पर असर, सुनीता भट्ट को जगह खाली करने का अल्टीमेटम

हल्द्वानी

हमारे संवाददाता

सोशल मीडिया पर सक्रिय ब्लॉगर सुनीता भट्ट और ज्योति अधिकारी के बीच का विवाद अब नया और गंभीर मोड़ लेता नजर आ रहा है। दोनों के बीच चल रही अभद्र भाषा की जंग का असर अब व्यापारिक स्तर पर भी दिखाई देने लगा है।

ताजा जानकारी के मुताबिक हल्द्वानी चौपाटी के ओनर ने सुनीता भट्ट को उनकी शॉप खाली करने का अल्टीमेटम दे दिया है। बताया जा रहा है कि पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर दोनों पक्षों के बीच तीखी बयानबाजी हो रही थी, जिसके चलते विवाद लगातार बढ़ता गया। चौपाटी प्रबंधन का कहना है कि संस्थान की गरिमा और शांति बनाए रखने के लिए यह फैसला लिया गया है। हालांकि सुनीता भट्ट ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उनके व्यवसाय को बदनाम न किया जाए और उन्हें वहां से न हटाया जाए, लेकिन प्रबंधन अपने फैसले पर कायम बताया जा रहा है। सोशल मीडिया यूजर्स का भी कहना है कि इस विवाद में दोनों पक्षों की ओर से तीखी भाषा का प्रयोग किया गया, जिससे मामला सुलझने के बजाय और उलझ गया। कई लोगों का मानना है कि सोशल मीडिया जहां लोगों को पहचान और लोकप्रियता देता है, वहीं छोटी सी चूक उन्हें मुश्किलों में भी डाल सकती है। फिलहाल हल्द्वानी की सोशल मीडिया कम्युनिटी में इस पूरे विवाद को लेकर चर्चाएं तेज हैं और लोग इस घटनाक्रम पर अपनी-अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

News कॉर्नर

नैनीताल व भवाली में बेतालघाट के बाद दूसरा विधानसभा महाकुंभ

नैनीताल। जिले के बेतालघाट के ऐतिहासिक विधानसभा सम्मेलन की सफ लता के बाद नैनीताल या भवाली में दूसरा विशाल जनसभा होने की चर्चा जोरों पर है। विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार इस महाकुंभ में 8 से 10 हजार लोग जुट सकते हैं जो युवा नेता शीलू कुमार के पक्ष में हुंकार भरेंगे। यह खबर भाजपा और कांग्रेस कार्यकर्ताओं में हलचल मचा रही है। बेतालघाट सम्मेलन ने पहले ही नैनीताल विधानसभा क्षेत्र की राजनीति में भूचाल ला दिया था, वहां हजारों युवाओं व महिलाओं और आमजन ने शीलू कुमार के नेतृत्व में विकास, रोजगार तथा शिक्षा व स्वास्थ्य जैसे स्थानीय मुद्दों पर एकजुट होकर आवाज बुलंद की थी। उस ऐतिहासिक रैली को विधानसभा चुनावों से पहले बड़ा संकेत माना जा रहा है। अब सूत्र बताते हैं कि शीलू कुमार की टीम बहुत जल्द नैनीताल या भवाली में दूसरा ऐसा ही कार्यक्रम आयोजित करने की तैयारी में जुटी है। शीलू कुमार ने बेतालघाट में मातृशक्ति और युवाओं का भारी समर्थन हासिल किया था जो उनकी लोकप्रियता का प्रमाण है। हालांकि उनकी टीम ने इसकी आधिकारिक पुष्टि करने से परहेज किया है यदि यह सममेलन होता है तो सत्तारूढ़ भाजपा और मुखय विपक्षी कांग्रेस के लिए खतरे की घंटी बज सकती है।

राज्य निर्माण सेनानी गुरुरानी ने किया पौधरोपण

नैनीताल । राज्य निर्माण सेनानी दिनेश गुररानी की ओर से चलाया जा रहा अनूठा पौधरोपण अभियान शुक्रवार को 606वें दिन भी जारी रहा। इसके तहत उन्होंने अपने डीडीहाट स्थित आवास परिसर में अपने पिताजी स्व.तारा दत्त गुररानी की याद में पौधरोपण किया। कहा कि उनका यह अभियान जारी रहेगा।

नैनीताल बार के 8 वरिष्ठ अधिवक्ताओं का हुआ विशेष सम्मान

नैनीताल

हमारे संवाददाता

जिला बार एसोसिएशन नैनीताल में आयोजित सम्मान समारोह में उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति आलोक मेहरा ने वकालत के क्षेत्र में 50 वर्ष की सेवा पूर्ण करने वाले वरिष्ठ अधिवक्ताओं को शॉल ओढ़ाकर एवं सम्मान पत्र प्रदान कर सममानित किया। सममानित होने वाले वरिष्ठ अधिवक्ताओं में एन.के.खोलिया, एम.बी.सिंह दैला,घनानंद बर्थवाल, मान सिंह बिष्ट, हरीश चंद्र पांडेय, कृष्णा नंद भट्ट, प्रकाश कांडपाल व सतीश पंत शामिल रहे। इससे पूर्व सममान समारोह में पहुंचने पर जिला जज प्रशांत जोशी, बार एसोसिएशन के अध्यक्ष भगवत प्रसाद और सचिव दीपक रुवाली

सहित कार्यकारिणी सदस्यों ने न्यायमूर्ति मेहरा को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया। अधिवक्ताओं को संबोधित करते हुए न्यायमूर्ति आलोक मेहरा ने वरिष्ठ अधिवक्ताओं को बार की अनमोल धरोहर बताते हुए कहा कि उनका अनुभव मार्गदर्शन और कार्यशैली ही किसी भी बार की वास्तविक शक्ति होती है। जिला बार को अपना घर बताते हुए उन्होंने अपने वकालत के दिनों को याद किया और अधिवक्ताओं के साथ पुरानी स्मृतियाँ साझा कीं। उन्होंने कहा कि वकालत के दौरान उन्हें यहां बहुत कुछ सीखने का अवसर मिला और वरिष्ठ अधिवक्ताओं से उनका रिश्ता गुरु-शिष्य जैसा रहा है उनके मार्गदर्शन से ही उनके अनुभव और दृष्टिकोण का निर्माण हुआ। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ अधिवक्ताओं के अनुभव से नई पीढ़ी के अधिवक्ताओं को निरंतर सीखने की प्रेरणा मिलती है और यही परंपरा न्याय व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाती हैं। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष भगवत प्रसाद ने न्यायमूर्ति आलोक मेहरा का आभार व्यक्त किया वहीं सचिव दीपक रुवाली ने न्यायमूर्ति मेहरा के जीवन और व्यक्तित्व को अधिवक्ताओं के लिए प्रेरणादायी बताया। समारोह में उपाध्यक्ष शंकर सिंह चौहान, वरिष्ठ अधिवक्ता हरिशंकर कंसल, मनीष मोहन जोशी, राजेश चंदोला, प्रभात पांडेय, राजेन्द्र कुमार पाठक, ओंकार गोस्वामी, ज्योति प्रकाश बोरा, अरुण बिष्ट, मंजू कोटलिया, सबीना उस्मान, प्रीति साह, कैलाश जोशी, गिरीश खोलिया, बी के सांगुड़ी, संजय त्रिपाठी, भुवन जोशी, पुलक अग्रवाल, अजय बिष्ट, राकेश सुयाल, संजय सुयाल, अनिल बिष्ट, आनंद कनवाल, बलवंत सिंह थलाल, सुंदर मेहरा, निखिल बिष्ट, नीलेश भट्ट, शिवांशु जोशी, कमल चिलवाल, नीरज गोस्वामी, जयंत नैनवाल, अनिता जोशी, दीपक पांडेय, मनीष कांडपाल, गौरव कुमार, शशांक कुमार, प्रदीप प्रसाद, दिग्विजय सिंह मेहरा, गजेंद्र मेहरा, मुन्नी आर्या, किरन आर्या, जया आर्या, कामिनी गंगवार तथा संध्या सहित न्यायाधीश व अधिवक्ता मौजूद रहे।

कार्यस्थल में लैंगिक समता एवं समावेशन विषयक सेमिनार का आयोजन

नैनीताल

हमारे संवाददाता

प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान (पीएम उषा) तथा मल्टीडेसिप्लेनरी एजुकेशन एंड रिसर्च यूनिवर्सिटी (मेरु) के सॉफ्ट कॉपोनेंट इटिविटी के तहत इक्विटी एंड इनलूसिविटी कुमाऊँ विश्वविद्यालय नैनीताल द्वारा बीरवार को कार्यस्थल में लैंगिक समता एवं समावेशन विषय पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन बुरांश सभागार हर्मिटेज में किया गया।

कार्यक्रम की संयोजक प्रो0. चन्द्रकला रावत (हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषा विभाग कुमाऊं विश्वविद्यालय नैनीताल) ने स्वागत वक्तव्य में कहा कि जेंडर और लिंग केवल पुरुष या महिला तक सीमित नहीं है इसमें अन्य पहचानें भी शामिल हैं तथा इन सभी में समानता एवं समावेशन के लिए यह कार्यक्रम सुनिश्चित करेगा कि कार्यस्थल पर बेहतर वातावरण, समानता की संवेदनशीलता को स्वभाव में ढालना कितना आवश्यक

है यही इस कार्यक्रम का उद्देश्य भी है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुविवि के कुलपति प्रो0.दीवान सिंह रावत ने कहा कि समानता के लिए हमें सफ लता की ओर बढ़ना आवश्यक है जिसके लिए जीवन में हमेशा सीखने की अभिवृत्ति को अपनाना चाहिए।

मुख्य वक्ता प्रो0 शुचि बिष्ट (भौतिक विज्ञान कुमाऊ विश्वविद्यालय नैनीताल) ने लैंगिक समानता और समता पर पीपीटी प्रेजेंटेशन दिया जिसमें उन्होंने विशेष रूप से महिलाओं और पुरुषों के बीच की समानता और समता की भारत में वर्तमान स्थिति पर बात की। मुखय वक्ता प्रो0 दीप्ति जौहरी (शिक्षा विभाग रोहेलखंड विश्वविद्यालय बरेली) ने कहा कि यह कार्यक्रम इतना प्रासंगिक और आवश्यक है ताकि हमारी तथा आने वाली पीढ़ी के लिए बेहतर दुनियाँ बना सकें साथ ही वर्तमान परिदृश्य में जेंडर समता एवं समावेशन में आने वाली बाधाओं और उनके समाधान पर अपना वक्तव्य दिया। इस अवसर पर प्रो. हरिप्रिया पाठक, डॉ. अरविंद तिवारी, प्रो. अशोक, डॉ. लक्ष्मण सिंह, डॉ. कंचन आर्या, डॉ. दीक्षा मेहरा, डॉ. मथुरा इमलाल, शिवानी शर्मा, हिमांशु विश्वकर्मा, धीरज, देवेन्द्र कुमार, रोहित रौतेला तथा ईश्वर आदि विभिन्न शोधार्थी एवं प्रतिभागी उपस्थित रहे।

नैनीताल लिटरेचर फेस्टिवल से पर्यटन क्षेत्रों को मिलेगी पहचान

नैनीताल

हमारे संवाददाता

नैनीताल के चारखेत स्थित माउंटेन मैजिक में शुक्रवार से नैनीताल लिटरेचर फेस्टिवल शुरू हो गया है। आयुक्त कुमाऊं व सचिव मुखयमंत्री दीपक रावत और साहित्यकार प्रो. पुष्पेश पंत ने इसका उद्घाटन किया। 15 मार्च तक चलने वाले फेस्टिवल में देश विदेश के लेखकों तथा रचनाकारों के द्वारा प्रतिभाग किया जा रहा है।

फेस्टिवल के उद्घाटन अवसर पर साहित्यकार पुष्पेश पंत कुमाऊं आयुक्त दीपक रावत समेत अन्य अतिथियों ने अपने विचार रखे। इस अवसर पर कुमाऊं आयुक्त रावत ने आयोजकों का धन्यवाद करते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों से क्षेत्र में पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा मिलने के साथ ही चारखेत जैसे पर्यटन स्थलों को नई पहचान मिलेगी। उन्होंने कहा कि इस आयोजन से जहां एक ओर नए लेखकों और विचारकों से भी मिलने का अवसर यहां के लोगों को मिलेगा वहीं युवाओं को को साहित्यए लेखन व विचार में लाभ व प्रेरणा मिलेगी।

इस मौके पर प्रसिद्ध लेखक फिल्मकार इंद्रजीत पंत द्वारा राजुला मालूशाही फिल्म पर अपने विचार व्यक्त करते हुए उस पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर अश्वनी चौधरी समेत कई लेखक, साहित्यकार, विचारक तथा फि ल्मकार आदि उपस्थित रहे। इससे पूर्व दीप जलाकर फेस्टिवल का शुभारंभ किया गया।

बार एसोसिएशन ने टैक्स परिवर्तनों की जानकारी को लेकर की बैठक आयोजित

हल्द्वानी

हमारे संवाददाता

रामनगर टैक्स बार एसोसिएशन का उद्देश्य सदस्यों को टैक्स से संबंधित कानूनी मुद्दों और नीतियों के बारे में अद्यतन जानकारी प्रदान करना है। इस बैठक में अध्यक्ष पूरन चंद्र पांडे, सचिव गौरव गोला और उपसचिव मनु अग्रवाल ने टैक्स में हुए हालिया बदलावों और उनके व्यावहारिक प्रभावों पर प्रकाश डाला। अध्यक्ष पूरन चंद्र पांडे ने बैठक की शुरुआत करते हुए एसोसिएशन के उद्देश्यों और टैक्स परिवर्तनों का संक्षिप्त परिचय दिया। उन्होंने बताया कि नए नियम व्यवसायिक और व्यक्तिगत कराधान दोनों पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाल सकते

हैं। सचिव गौरव गोला ने कानूनी दृष्टिकोण से बदलावों का विश्लेषण किया और उदाहरणों के माध्यम से समझाया कि नए प्रावधान किस प्रकार मामलों में लागू हो सकते हैं। उपसचिव मनु अग्रवाल ने प्रशासनिक प्रक्रियाओं और क्लाइंट मार्गदर्शन के लिए आवश्यक दस्तावेज़ों पर जानकारी दी। हाई कोर्ट के अधिवक्ता अक्षय लटवाल* ने यूजीसी कानून पर विशेष व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने यूजीसी कानून का इतिहास, उद्देश्य, उच्च शिक्षा संस्थानों के वित्तीय प्रबंधन में टैक्स नियमों के प्रभाव, पिछले महत्वपूर्ण केसों और अनुपालन रणनीतियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि कानून का सही पालन न केवल संस्थानों के लिए अनिवार्य है बल्कि वित्तीय लेन-देन को भी सुगम बनाता है।

बैठक में उपाध्यक्ष फिरोज अंसारी, कोषाध्यक्ष विशाल रस्तोगी, प्रेस प्रवक्ता गुलरेज़ रज़ा, भूपाल रावत और राकेश राही ने टैक्स परिवर्तनों पर चर्चा की। इसमें व्यक्तिगत आयकर, नई स्लैब और कटौतियाँ, लाभांश वितरण, निवेश पर प्रभाव, दरों में बदलाव और अनुपालन प्रक्रिया शामिल थीं। सदस्यों ने इन परिवर्तनों के व्यावहारिक प्रभावों को समझा और क्लाइंट्स को उचित सलाह देने के लिए मार्गदर्शन प्राप्त किया।

NEWS / फटाफट

अधिवक्ता हिरेन्द्र सिंह रावल के निधन पर शोक

नैनीताल । हाईकोर्ट के अधिवक्ता हिरेन्द्र सिंह रावल के आकस्मिक निधन पर हाईकोर्ट बार सभागार में शोक सभा आयोजित कर दिवंगत आत्मा की शांति की प्रार्थना की गई साथ ही शोकाकुल परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की गई। शोक सभा में डी0 सी0 एस0 रावत अध्यक्ष हाईकोर्ट बार एसोसिएशन, सौरव अधिकारी महासचिव समेत कई अधिवकता मौजूद रहे।

दमकल विभाग के अधिकारियों ने किया निरीक्षण

नैनीताल । अग्निशमन केंद्र नैनीताल की ओर से शुक्रवार को उच्चाधिकारियों के निर्देश पर कई व्यावसायिक प्रतिष्ठानों का अग्निसुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिकोण से निरीक्षण किया। अग्निशमन अधिकारी नैनीताल देवेंद्र सिंह नेगी द्वारा अपनी टीम के साथ जिले के भीमताल व भवाली क्षेत्राअंतर्गत व्यावसायिक प्रतिष्ठानों का अग्निसुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिकोण से निरीक्षण किया गया तथा उपस्थित स्टाफ को फ ायर एसटिंग्यूशर द्वारा आग बुझाने का प्रशिक्षण दिया गया एवं अग्नि सुरक्षा संबंधी कमियों को दुरुस्त करने हेतु सुझाव दिये गए।

किच्छा नगर पालिका चुनाव मामला:हाईकोर्ट में सुनवाई 17 को

नैनीताल । उत्तराखंड हाईकोर्ट ने राज्य सरकार द्वारा किच्छा नगर पालिका का आरक्षण तय होने के बाद भी चुनाव नहीं कराए जाने के मामले पर सुनवाई की। मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति राकेश थपलियाल की एकलपीठ में हुई। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई हेतु 17 मार्च (मंगलवार) की तिथि नियत की है। बता दें शुक्रवार को हुई सुनवाई पर याचिकाकर्ता ने कोर्ट को अवगत कराया कि किच्छा नगर पालिका में पिछले डेढ़ साल से प्रशासक के द्वारा ही समस्त कार्य किये जा रहे हैं।

रात्रि को जौहार मिलन केंद्र कैनाल रोड पर एक सभा का आयोजन

हल्द्वानी

हमारे संवाददाता

रात्रि को जौहार मिलन केंद्र कैनाल रोड पर एक सभा का आयोजन किया गया और सभा एवं रैली को समर्थन देने पर चर्चा की गई, जौहार मिलन केंद्र के सभी साथियों ने यूजीसी समर्थन संघर्ष समिति को आश्वासन दिया कि हम लोग कार्यक्रम और रैली को भव्य बनाने मे पूरा योगदान देंगे, अध्यक्षता जीआरटम्टा, के के बोरा, कैलाश पाण्डेय, एडवोकेट अंजू नफीस अहमद खान, सुंदरलाल बौद्ध आदि ने अपने सम्बोधन मे यूजीसी गाइडलाइन 2026 पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा लगाई गई

रोक को हटाने के लिए विचार रखे, 15 मार्च को एक विशाल रैली निकाल कर प्रदर्शन करने सरकार से सदन मे यूजीसी पर बिल लाने की मांग को लेकर ज्ञापन देने का विचार विमर्श किया गया। जौहार मिलन के साथियों ने यूजीसी पर चर्चा करते हुए कहा कि क्योंकि उच्च शिक्षा संस्थानों में जातिगत भेदभाव को रोकने और समान अवसर सुनिश्चित करने की जरूरत थी। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के बाद, यूजीसी ने 2012 के पुराने नियमों को मजबूत करने के लिए नए नियम बनाए। इन नियमों का उद्देश्य एस सी, एस टी, ओ बी सी तथा महिलाओं और दिव्यांगों के खिलाफ भेदभाव को रोकना है, संस्थान में एक इक्विटी कमेटी बनानी होगी जो भेदभाव की शिकायतों का निवारण करेगी। ईओसी समान अवसर प्रकोष्ठ (EOC) को मजबूत किया जाएगा जो वंचित वर्गों के छात्रों को मदद करेगा।

भेदभाव की परिभाषा जातिगत भेदभाव की परिभाषा को व्यापक किया गया है और अब इसमें OBC वर्ग महिलाओं और दिव्यांगों को भी शामिल किया गया है। शिकायतों का निवारण 24 घंटे में करना होगा और 15 दिन में जांच रिपोर्ट देनी होगी।